

SKITETE OF BURARY

श्रात II- क्ष्य क्ष्या क्ष्य (i)
PART II--Section 3 --Sub-section (i)
श्रातिकार से अक्षाश्रित
PUBLISHED BY AUTTORITY

सं. 308] नई दिल्ली, मंगलबार, जुलाई 24, 1990/श्रावण 2, 1912 No.303] NEW DELTH, TUESD, Y, JULY 24, 1990/SRAVANA 2, 1912

इस भाग में भिल्त पृष्ठ संख्या दी जाती हो जिसल कि यह अक्षम संकल्पन के रूप में रखा जा शके

Separato Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार अस्याण मंत्रालय

Time (T

मई **दि**ल्लाः २४ ज्ञाहे, १५००

सा.का.मि. 658(अ) :--भागत के राजपद्ध (अवाधारण) भाग H खड 3, उपद्धंड (i) दिनाक 8/3/90 के पूछ 1-6 पर प्रकाशित भागत नरकार के रवास्थ्य श्रोट परिवाद भव्याण मंद्रावय की 8 मार्च, 1990 की अधिसूचना सा.का.सि. 128(अ) में --

(1) দুতে 1 घर उद्देशिका की सीसरी परित में 'आब अपनिजय श्रीधनियम' के रधान पर 'खाध' अविभिन्न सिवारण अधिनियम' पढ़े,

(2) पप्ट 2 पर

- (i) तीमरी पत्ति में "यत्र" के स्थान पर "प व प" पहे,
- (ii) पद्रहर्वा पंतित में "एलोमेटिक" के स्थान पर "ऐरोमेटिक" एड्डे;
- (iii) इक्कीमकी पश्चिम में "पश्चिम प्राहीगा" के स्थान पर "प्रनुस्य भी होगा" पढ़े।

[4-9], 15045/3/8649, एवं (एक, एड एन)] बलबीर सिंह, संयुक्त समिश्र